प्रवतत ॥.—5. A, S, N पोषे.—6. A, S, B, D वृद्धिधान्य.—A, B, D संप्रदो.—7. S विद्यात्.—E, N वृष्टि for वृद्धि, C once the former, once the latter.—S क्षेमसस्थानां.—8. N कौम्र.—9. A, B, D प्रवृद्धि, S निवृत्ति.—10. All, but G, ज्येष्ठे.—E कुलधर्मजाति.—S रुक्षा for द्विला.—C कंकुं, S कंगु.—N, E ग्रमोजाम्नि, a r. noticed also by C; S समोजातिम्.—11. N राजानः—12. S, E, N पाषंडास्ते; the same om. ये; and E स for च.—14. S अश्वयुजे, A आश्वयुगे, E अश्वयुजे.—17. A, S, D च for तु.—18. A, S, D नृपाः for प्रजाः; the same noticed by C.—19. S, E रोहिण्यानलभं.—21. C, N, लब्धेन for फलेन, E लब्धाब्द्.—22. All but D, N, E द्वादशकक्रमेण.—A फच्चाणि for उडूनि.—23. C, N उत्तरा°.—All but S प्रोष्ठपदा°, N °पदापतिश्च.—24. The Codd. of C vary between इदादिक and इन्द्रादिक, B, D, E have the former, N originally the latter, S मदादिक, A, G उदादिक.—E उद्वत्सर.—A, B, D सुताधिपश्च.—25. S, N प्रमुखा.—C पंचमवर्षमुक्तं, G पंचमवर्षमाद्यः—26. S अन्य for अंत्य.—S विद्यात्.—27. C in his text अभिप्रवृत्तो, like S, E, N, but C afterwards अभिप्रपन्नो (expl. by तत्रस्थितः).—C, S, E, N प्रपद्यते for प्रवर्तते.—C तथा for तदा.—29. C. S फलान्यथेषां, A, B, D फलानि तेषां.—30. A, S, C write निःपन्न.—S उपयात for उपशांत.—31. All but C, A भावसंज्ञो.—C तु for (अ)थ in his text, afterwards स्तु, like N.—32. C त्रिष्वाद्यवर्षेषु.—C, N, E भयश्च लोकः—A अथ द्वये; N (अं) ते.—33. S इति for अपि.—A अथोन्यद् E अतोन्यं.—A वर्ष for वृषं.—34. A, D च शुभे (ऽ) च, C, N, S तु शुभे तु.—C, N, S विक्रमौ च.—35. A, B, D, G च for तु.—N ततश्च for न तच, C नतं च, which is explained as a Noun Proper.—36. B, D वृद्धिमुदितं च, S वृद्धिदमतश्च A वृद्धितमतश्च, E वृद्धिसमताश्च, G वृद्धिमुदिताश्च and पार्थिवाः, C, N वृद्धिमुदिताति पार्थिवं, explained as follows: मुदितो हृष्टो ऽतोवात्यर्थं पार्थिवो राजा यत्रः this expl. shows such a degree of ignorance of grammar and of the subject in hand, that I suspect the passage to be vitiated.—The original r. may have been वृद्धिमदतश्च.—38. A पुरतश्च, N परतो ऽथ.—C notices a r. कांतमत्र युगमादितश्चये, the r. of G.—40. G प्रायाः, the others but S प्राया.—41. C, B, E, G शोकहृद्; it seems that Utpala knew another r. also; here are his words: आद्यः प्रथमः संवत्सरो ऽब्दः शोकहृदिति पठंन्ति शोकं हन्ति छिनत्तीति शोकहृत्। यतस्तस्य शोभनं फलमाचार्यो वदयिष्यति पूर्वापरौ प्रीतिकरौ प्रजानामिति तस्माच्छोकहृदिति निःसंदेहः पाठः.—C, A, D अंशो for अतो.—A, D, and some Codd. of C परावसुश्च, for पराभवश्च.—42. All but S, E, N पराभवो ऽग्नेः.—43. C, N, E, G अथैवं for अथाब्दः, S अथैव.—44. All but C यत्पंचमं—अब्दं.—45. All but C, G आद्यमब्दं.—S देव for दैव.—C, G तत्राद्यवर्षं.—A, B, D प्रमाथिनं विक्रममप्यथान्यत्, C, E प्रमाथिनं